NEWS:arunjaity.qxd 9/26/2010 9:30 PM Page 202

नई दिल्ली, सोमवार, 1, मार्च 2010

अमर उजाला

दो वर्ष तक नानाजी के शरीर पर होगी रिसर्च

दो वर्ष तक नानाजी के शरीर पर होगी रिसर्च

नई दिल्ली। देशभक्ति, समर्पण सेवा की प्रेरणा देने वाले और समाजसेवा में प्रयत्नशील रहे समाजसेवी नानाजी देशमुख का पूरा शरीर एक बार फिर समाज के काम आएगा। उनके शरीर को दो वर्ष तक भावी डॉक्टरों के रिसर्च करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान को देर शाम सौंप दिया गया। नानाजी ने 81 साल के उम्र में अपना देहदान दधीचि समिति को कर दिया था। वह इस समिति के प्रथम देहदानी थे। ग्यारह अक्तूबर 1997 को दिल्ली में उन्होंने देहदान की इच्छा जाहिर की थी। जब उन्हें इस बात की आशंका हुई कि अगर वे अंतिम श्वांस कहीं अन्य लेते हैं तो कैसे उनका शरीर दान दिल्ली के एम्स को होगा। फिर उन्होंने 11,000 रूपये का बैंक ड्राफ्ट देहदान समिति को दिया और कहा कि मेरे पार्थिव शरीर को दिल्ली लाने के इस्तेमाल में यह रकम आएगी। अपनी वसीयत में उन्होंने इच्छा जाहिर की थी कि मृत्यु के उपरांत उनकी देह का जरूरतमंदों के लिए उपयोग किया जाएगा। उन्होंने यह भी लिखा था कि देहदान को ही मेरे सगे-संबंधी मेरे शरीर का अंतिम संस्कार मानें।

नितिन गडकरी : वे भाजपा के आदर्श थे। शुरू से एक समर्पित कार्यकर्ता की तरह रहे। भाजपा का अंत्योदय सिद्धांत आदर्श बन गया है। उन्होंने 60 वर्ष की आयु के बाद भी रचनात्मक कार्यों में बराबर योगदान दिया। समाज के सबसे गरीब लोगों के उत्थान की।

लालकृष्ण आडवाणी : उनके जीवन से सभी को शिक्षा लेनी चाहिए। वे सतत् समाजसेवा व रचनात्मक कार्य में रमे रहे। राजनीति में होने के बावजूद उन्होंने इसके आकर्षण व फिसलन से दूरी बनाई रखी। उनकी रचनात्मकता सभी गैर सरकारी संगठन के लिए रोल मॉडल है। उनके जीवन से राजनेताओं को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।

मोहनराव भागवत : उनका जीवन समूचे देश की नई पीढ़ी को देशभक्ति, समर्पण व सेवा की प्रेरणा देता रहेगा। उनके पार्थिव का दृष्टि से ओझल होना, मात्र शोक की बात नहीं है बल्कि हमारे लिए कृत संकल्पित होने की बात है। उनके जीवन का अनुकरण ही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अरूण जेटली : वे एक वरिष्ठ संगठनकर्ता रहे। उनका सिद्धांतवादी होना सभी के लिए प्रेरणा योग्य है। वे देशभक्ति व राष्ट्रवाद से वे ओत-प्रोत थे। उम्र के अंतिम पड़ाव में भी उन्होंने रचनात्मक कार्यों को अंजाम दिया।

नरेन्द्र मोदी : वे कल्पनाओं के धनी थी। सबसे पहले सोच स्थापित करते थे फिर उसे अंजाम तक पहुंचाते थे। उनके परिश्रम ने गांव के उत्थान में जबरदस्त योगदान दिया। गौभक्ति, गौ पालन को वे आर्थिक रूप से जोड़ते थे। वे निरंतर संघर्ष करना जानते थे।

अमर उजाला

नई दिल्ली, शनिवार, 13 मार्च, 2010

ग्रामीण उत्थान को समर्पित थे नाना जी : आडवाणी

सच कहने का साहस और सलीका

राज एक्सप्रेस

समाजसेवी नानाजी देशमुख नहीं रहे

समाजसेवी नानाजी देशमुख नहीं रहे

चित्रकूट (एजेंसी)। प्रख्यात समाजसेवी नानाजी देशमुख का शनिवार को यहां निधन हो गया। वह संघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी समेत कई नेताओं ने नानाजी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। नानाजी का देहदान रविवार को दिल्ली में किया जाएगा।

आज राजकीय शोक : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नानाजी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए रविवार को मप्र में एक दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की।